नैदानिक अनुसंधान:-

1) विशेष उपलब्धियाँ :- रोगों/नैदानिक स्थितियों अर्थात भगन्दर, कुष्ठ, फाइलेरियासिस, हृदयरोग, हेमिप्लीजिया, मलेरिया, दृष्टि दोष, ओबेसीटी एवं वसा अनियमितता, पेराप्लीजिया, पेप्टिक अल्सर, सीजोफ्रेनिया, साइटिका, यूरोलिथिसिस, मैलआब्र्जपशन सिंड्रोम,पीलिया, मानस मंदता, एक्साइटिंग न्युरोसिस, डियोडनल अल्सर, अपवर्तन की त्रुटियां, डायरिया, डाइसेंटरी, ब्रोंक्यिल अस्थमा क्रोनिक ब्रोंकाइटिस,कन्जेक्टिव डेफिसिट, ड्राई आई सिंड्रोम, एलर्जी नेत्रश्लेष्मलाशोथ,डिसलिपिडेमिया, आवश्यक उच्चरक्तचाप, इरिटेबल बोल्स सिंड्रोम (आइबीएस) रक्ताल्पता एनिमिया,मेनोपोजलसिड्रोम, ओस्टियो अर्थराइटिस,ओबेसिटि,ओष्टियोपेनिया,/ओष्टियोपोरोसिस,रियुमेटॉयड अर्थराइटिस, रसायन, डिस्मेनोरिया, टाइप टू मधुमेह, जरा स्वास्थ्य,सोरोसिस,सामान्य एंग्जाइटि अनियमितता, ह्युमोराइट, पोलिसिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम, गठिया इत्यादि रोगों के लिए औषधियों का विकास एवं वैधीकरण किया गया। इसके अलावा प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य रक्षा (आरसीएच) कार्यक्रम के लिए 17 आयुर्वेदिक औषधियां विकसित की गई।

ब) वर्तमान गतिविधियाँ (आगे लाए गए कार्यक्रमों के साथ)		
क्र.सं.	अनुसंधान गतिविधियाँ	उद्देश्य
I अंत:वर्ती नैदानिक अनुसंधान परियोजना		
अ)	हाल ही में पूरी की गई परियोजना-5	
1.	लगभग स्वस्थ बुजुर्ग व्यक्तियों में **ब्रह्म रसायन** के नैदानिक प्रभाव एवं सुरक्षा का मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
2.	अर्श (हेमोराइट्स) के उपचार हेतु प्रनाद गुटिका एवं अभयारिष्ट की प्रभावकारिता का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
3.	ओष्टियोअर्थराइटिस नी के उपचार हेतु वात्री गुग्गुलु,महा रसायनादि क्वाथ एवं नारायन तैल की प्रभावकारिता का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
4.	गठिया (वात रक्त) रोगियों के हाइपरयूरिसेमिया उपचार हेतु अमृत गुग्गुलु एवं पिण्ड तैल की प्रभावकारिता का ओपन लेबल मूलयांकन अध्ययन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
5.	पोलिसिस्टिक ओवरियन सिंड्रोम के उपचार में रजप्रर्वतनीय वटी, कॉचनार गुग्गुलु एवं वरुणादि कसाय की प्रभावकारिता का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
ब)	चल रही परियोजनाएं -18	
1.	टाइप टू डाइबटीज मेलेटस (मधुमेह) के उपचार में	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की

	निसा आम्ल एवं चन्द्रप्रभा वटी, की प्रभावकारिता का नैदानिक मूल्यांकन	प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
2.	किटिभ (सोरियोसिस) के उपचार में बज्रकाघृत , आरोग्य वर्धनी वटी,एवं दिनेश्यवल्यादि तैल का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
3.	रिह्युमेटाइड अर्थराइटिस के उपचार में वात्री गुग्गुलु, रासनासप्त कसाय एवं वहद सेंधवादि तैल की प्रभावकारिता का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
4.	मानस मंदता (मेंटल रिटारडेशन) के उपचार में ब्रम्ह रसायन का नैदानिक मूल्यांकन- एक ओपन आतुरीय परीक्षण	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
5.	मनोदवेग (जर्नलाइज्ड एंग्जाइटी डिस्आर्डर) के उपचार में विस्तृत आयुर्वेद अंत:क्षेपों का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
6.	अस्टियोअर्थराइटिस नी के उपचार में क्षिरबला तैल, मात्र वस्ति, वात्री गुग्गुलु, महारसानादि क्वाथ एवं नारायण तैल का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
7.	किटिभ (सोरियोसिस) के उपचार में वमन कर्म, तथा तक्रधारा तथा रसौषधि रसायन चिकित्सा की नैदानिक प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
8.	टाइप-टू डाइबटीज मेलिटस (मधुमेह) के उपचार में निसा कटाकाडी कषाय एवं यासदा भस्म का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय अंत:क्षेप की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
9.	क्रोनिक ब्रोनकाइटिस के उपचार में वसा अवलेह का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय औषधि की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
10.	रिह्युमेटाइड अर्थराइटिस के उपचार में वात्री गुग्गुलु, हिंगवाष्टक चूर्ण एवं वृहतसेंधवादि तैल का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय औषधि की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
11.	ओष्टियो पेनिया/ओस्टियो पोरोसिस के उपचार में अश्वगंधा चूर्ण एवं प्रवाल पिष्टि का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय औषधि की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
12.	अर्थराइटिस के उपचार में योगराज गुग्गुलु, एवं गंधर्वास्ता तैल एवं धनवन्तरी तैल का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय औषधि की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना

13.	रक्ताल्पता एनिमिया के उपचार में नवयसा चूर्ण का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय औषधि की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
14.	ब्रोकियल अस्थमा के उपचार में कनकासव एवं त्रिवृत्रचूर्ण का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय औषधि की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
15.	इरिटेवल बोलसिंड्रोम के उपचार में कूटजरीष्ठ का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय औषधि की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
16.	कागनेटिव डेपिसिट के उपचार में सारस्वत घृत का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय औषधि की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
17.	रसायन के उपचार में सारस्वत च्यवनप्राश का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय औषधि की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
18.	क्रोनिक ब्रोंकाइटिस के उपचार में कुषमंडक रसायन का नैदानिक मूल्यांकन	चयनित आयुर्वेदीय औषधि की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का अध्ययन करना
II.	संयुक्त नैदानिक परियोजना	
1.	बच्चों में मेंटल रिटार्डेशन(मानस मंदता) हेतु आयुष मानस कोडेड औषधि का बहुकेन्द्रीय डबल ब्लाइन्ड अनियमित नियंत्रित नैदानिक परीक्षण	मानस मंदता से ग्रसित बच्चों में बुद्धिलब्धता (आइक्यु) एवं अवचेतन भाग के आधार पर उनके बुद्धि कार्य को विकसित करने के लिए आयुष मानस की प्रभावकारिता का अध्ययन किया गया
2.	स्तन कैंसर में जीवन गुणवत्ता के सुधार हेतु कोडेड औषधि आयुष क्यु ओ एल 2सी का केमियो थैरेपी एवं रेडियोथैरेपी के सहायक के रुप में बहुकेन्द्रीय डबल ब्लाइन्ड अनियमित नियंत्रित नैदानिक परीक्षण	प्राथमिक 1. आयुष क्यु ओ एल- 2सी की नैदानिक सुरक्षा का पता लगाना। 2. जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए आयुष क्यु ओ एल -2सी प्रभावकारिता का पता लगाना।

		द्वितियक: 1. संपूर्ण उत्तरजीविता पर आयुष क्यु ओ एल-2 सी के प्रभाव का पता लगाना। 2. इवेन्ट फ्री सरवाइवल पर आयुष क्यु ओ एल-2 सी के प्रभाव का पता लगाना। 3. प्रोग्रेशन फ्री सरवाइवल पर आयुष क्यु ओ एल-2 सी के प्रभाव का पता लगाना।
3.	मानक क्षारसूत्र के आटोमाइज्ड निर्माण हेतु जैव चिकित्सा उपकरण का विकास	क्षारसूत्र के स्वचालन का विकास जिसमें मानकीकरण, डिजाइनिंग, संरचना एवं स्वचलित क्षारसूत्र निर्माण का विकास सामिल है।